Dainik Jagran (22.01.2016)

जलवायु परिवर्तन पर सेमिनार में चर्चा

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता को लेकर वाइएमसीए विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया।

भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय में सचिव रहे डॉ. एचएस आनंद मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे। वाइएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संबोधन में डॉ. आनंद ने कहा कि ग्रीन हाउस गैस तथा कार्बन उत्सर्जन एक ऐसा मुद्दा है, जिसे वैश्विक स्तर पर हल करने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रीन हाउस के प्रभावों को कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग, वर्षा जल संचयन और कृषि प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया।

इस दौरान डॉ. दिनेश कुमार ने ऊर्जा संरक्षण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जैसे औद्योगिक शहर में ऊर्जा

◆ वाइएमसीए विवि के मानविकी एवं विज्ञान विभाग का आयोजन

संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन, वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सभी को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जीवाश्म ईंधन कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है, जिसका बड़ा कारण निजी वाहनों पर हमारी निर्भरता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह मैट्रो रेल जैसे सार्वजनिक परिवहन साधनों का प्रयोग करें। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ. सुखबीर ने सेमिनार के निष्कर्षों पर चर्चा की। सेमिनार को डॉ. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। मानविकी एवं विज्ञान विभाग के डीन डॉ. राज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का संयोजन पर्यावरण विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ रेणुका गुप्ता ने किया।

वाइएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सेमिनार के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. एचएस आनंद को पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए। जागरण

Punjab Kesari (22.01.2016)

जलवायु परिवर्तन से निपटना होगा सभी को: आनंद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित सैमीनार में मुख्यातिथि का स्वागत करते कुलपति दीपक डा. दिनेश। (रजत)

फरीदाबाद, 21 जनवरी (सुरजमल) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मानविकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के सहयोग से आज 'ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन' पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य ग्रीन हाउस गैसों तथा कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर चर्चा करना तथा जागरूकता लाना था।

वायु प्रदूषण स्तर में वृद्धि का प्रमुख कारण है। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय में सचिव रहे डा. एचएस आनंद मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा. दिनेश कुमार ने की। अपने संबोधन में डॉ. आनंद ने ग्लोबल वार्मिंग में ग्रीन हाउस की भूमिका पर प्रकाश डाला। ग्रीन हाउस गैस तथा उच्च स्तर पर कार्बन उत्सर्जन का मामला एक ऐसा मुद्दा है, जिसे वैश्विक स्तर पर हल करने की आवश्यकता है तथा जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रीन हाउस के प्रभावों को कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग, वर्षा जल संचयन और कृषि प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया।

कुलपति डॉ. दिनेश ने ऊर्जा संरक्षण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जैसे औद्योगिक शहर में ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन, वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सभी को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है और तभी इस फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सकता है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डा. सुखबीर ने सेमिनार के निष्कर्षों पर चर्चा की।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 22 January 2016
epaper.punjabkesari.in/c/8227280

Punjab Kesari (22.01.2016)

जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना सभी की जिम्मेदारी: आनंद

बल्लभगढ़, (सुरेश बंसल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मानविकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के सहयोग से आज 'ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन' पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य ग्रीन हाउस गैसों तथा कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर चर्चा करना तथा जागरूकता लाना था जोकि वायु प्रदुष्ण स्तर में वृद्धि का प्रमुख कारण है। इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय में सचिव रहे डॉ. एच एस आनंद मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्त थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने की। अपने संबोधन में डॉ. आनंद ने ग्लोबल वार्मिंग में ग्रीन हाउस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाउस गैस तथा उच्च स्तर पर कार्बन उत्सर्जन का मामला एक ऐसा मुद्दा है, जिसे वैश्विक स्तर पर हल करने की आवश्यकता है तथा जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रीन हाउस के प्रभावों को कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग, वर्षा जल संचयन और कृषि प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। सेमिनार को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. दिनेश ने ऊर्जा संरक्षण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जैसे औद्योगिक शहर में ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन, वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सभी को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है और तभी इस फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सकता है। सेमिनार को डॉ. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया।

Dainik Bhaskar (22.01.2016)

जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना सभी की जिम्मेदारी

पर्यावरणविद डा. एचएस आनंद ने वाईएमसीए में हुए सेमीनार में कहा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में मानविकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के सहयोग से 'ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन' पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य ग्रीन हाउस गैसों व कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर चर्चा कर जागरूकता लाना था। जो वायु प्रदुष्ण स्तर में वृद्धि का प्रमुख कारण है।

इस मौके पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय में सचिव रहे डा. एचएस आनंद मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा. दिनेश कुमार ने की। डा. आनंद ने ग्लोबल वार्मिंग में ग्रीन हाउस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ग्रीन हाउस गैस व उच्च स्तर पर कार्बन उत्सर्जन का मामला एक ऐसा मुद्दा है। जिसे वैश्विक स्तर पर हल करने की आवश्यकता

फरीदाबाद. 'ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन' पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते डा. एच एस आनंद।

है। जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रीन हाउस के प्रभावों को कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग, वर्षा जल संचयन और कृषि प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। कुलपति डा. दिनेश ने ऊर्जा संरक्षण की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा फरीदाबाद जैसे औद्योगिक शहर में ऊर्जा संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन, वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सभी को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। तभी इस फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा जीवाश्म ईंधन कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है।

जिसका बड़ा कारण निजी वाहनों पर हमारी निर्भरता है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे ग्रीन लाइफ स्टाइल को अपनाएं और मेट्रो रेल जैसे सार्वजनिक परिवहन साधनों का प्रयोग करें। क्योंकि वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वाहनों के चलने से होने वाला कार्बन उत्सर्जन भी है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डा. सुखबीर ने सेमिनार के निष्कर्षों पर चर्चा की। सेमिनार को डा. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। मानविकी एवं विज्ञान विभाग के डीन डा. राज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। अंत में कुलपति डा. दिनेश कुमार ने मुख्यातिथि डा. आनंद को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का संयोजन पर्यावरण विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डा. रेणुका गुप्ता ने किया।

Amar Ujala (22.01.2016)

जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना जरूरी: डॉ. आनंद

अमर उजाला ब्यूरो

बल्लभगढ़। ग्रीन हाउस गैस तथा उच्च स्तर पर कार्बन उत्सर्जन एक ऐसा मुद्दा है, जिसे वैश्विक स्तर पर हल करने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटना सभी की जिम्मेदारी है। यह कहना है भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. एचएस आनंद का। आनंद आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय में सचिव रहे हैं।

वह बृहस्पतिवार को वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानविकी एवं विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय चेतना शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन' पर आयोजित सेमिनार को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। सेमिनार की अध्यक्षता कुलपति डॉ. दिनेश अग्रवाल ने की।

डॉ. आनंद ने ग्रीन हाउस के प्रभावों को कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग, वर्षा जल संचयन और कृषि प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी डॉ. सुखबीर ने सेमिनार के निष्कर्षों पर चर्चा की। सेमिनार को डॉ. अरविंद गुप्ता ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापित मनविकी एवं विज्ञान विभाग के डीन डॉ. राजकुमार ने किया। संयोजन पर्यावरण विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. रेणुका गुप्ता ने किया। **ब्यूरो**

Hindustan Hindi (22.01.2016)

वाईएमसीए में नए कोर्स जल्द शुरू होंगे

फरीदाबाद | **कासं**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नए सत्र में कुछ नए कोर्स शुरू हो सकेंगे। इस पर शुक्रवार को मंथन किया गया।

यूनिवर्सिटी में जल्द ही मूलभूत ढांचा दुरुस्त करने के लिए विकास कार्य भी शुरू होंगे। यूनिवर्सिटी के उपकुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ले. जनरल (सेवानिवृत्त) करन सिंह यादव के साथ बातचीत के दौरान कहा कि यूनिवर्सिटी का जल्द ही विस्तार होगा। करन सिंह यादव डॉ. कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय विज्ञान कांग्रेस के होमी जे. भाभा मेमोरियल पुरस्कार मिलने पर बधाई देने यूनिवर्सिटी पहुंचे थे।

डॉ. कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय की ढांचागत सुविधाओं में विस्तार की योजना है। इसके अलावा विश्वविद्यालय कुछ नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी विचार कर रहा है। अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य योजना बनाई जाएगी।